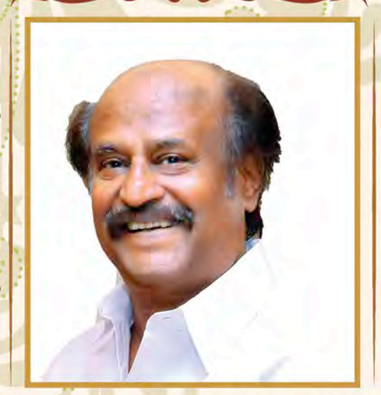

श्री रजिनीकान्त

Shri Rajinikanth



पद्म विभूषण

Padma Vibhushan



राष्ट्रपति से अलंकरण प्राप्त करते हुए

Receiving the decoration from the President

श्री रजिनीकान्त

श्री रजिनीकान्त भारत के मनोरंजन और फिल्म उद्योग की एक वैश्विक विभूति, एक सुपरस्टार तथा एक आदर्श व्यक्ति हैं। सम्पूर्ण विश्व में लोगों के पसंदीदा और जानी मानी विभूति के रूप में, आपकी जीवन–यात्रा पीढ़ियों और महत्वाकांक्षी कलाकारों के लिए प्रेरणा–स्रोत रही है। आपके अभिनय के तरीके, अद्वितीय व्यवहार – विलक्षण, अभिनय कला, संवाद उच्चारण और बहुमुखी प्रतिभा ने एक ट्रैंड और एक बेंच मार्क स्थापित किया है और एक अलग पद्धति तैयार की है और इस तरह 1970 के बाद फिल्मी अभिव्यक्ति में एक नया आयाम जुड़ गया है। समाज के विभिन्न वर्गों, युवा पीढ़ी और बुजुर्गों के ध्यानाकर्षण का केन्द्र बन कर आप सभी बाधाओं, भाषाओं, सीमाओं और क्षेत्रों से हटकर आप भारत और विश्व में लाखों लोगों के दिलों पर राज कर रहे हैं।

2. आपका जन्म 12 दिसम्बर 1950 को एक सामान्य परिवार में हुआ। आपने अपना बचपन कठोर और मुश्किल परिस्थितियों में बिताया। तथापि, इस तरूण बालक के उत्साह ने विपन्न परिस्थितियों के बावजूद, अपने आंतरिक जोश को पहचानने के लिए प्रेरित किया। अपने आरम्भिक अध्ययन कार्यक्रम के पश्चात् आपने चपरासी, आफिस बॉय और सहायक के रूप में छोटे कार्य करके अपने परिवार को सहयोग दिया और बाद में आपको कर्नाटक राज्य परिवहन निगम में बस कंडक्टर के रूप में एक सुरक्षित नौकरी मिली। यहीं आपके भीतर का वह नायक जन्मा जिसने परिवहन विभाग के सहकर्मियों द्वारा आयोजित किए गए नाटकों में अपने अभिनय का परिचय दिया। आपके अभिनय कौशल से प्रेरित होकर आपके भाई ने आपको अभिनय–कला हेतु चेन्नई भेज दिया। आपने 1973 में मद्रास फिल्म संस्थान में दाखिला लिया जहां आपका परिचय प्रसिद्ध निदेशक श्री के. बालचन्दर से हुआ और जिनके निर्देशन में आपने राष्ट्रीय फिल्म अवार्ड जीतने वाली मोशन पिक्चर "अपूर्व रागंगल" (1975) में अभिनेता के रूप में कार्य का श्रीगणेश किया और इसके पश्चात् तो आप आगे बढ़ते चले गए और तमिल फिल्म उद्योग के सांस्कृतिक नायक बने।

3. आपने अपनी आरम्भिक फिल्मों में नकारात्मक भूमिकाएं करके, युवा और वृद्ध चरित्र के किरदार निभाकर व्यापक क्षेत्रों में अभिनय कौशल प्रस्तुत किया। 'भैरवी' फिल्म से आप पूर्ण नायक बन गए और तत्पश्चात् आप तब तक नहीं रूके जब तक कि आप सुपर स्टार नहीं बन गए और एक यशस्वी करियर के साथ आप 40 वर्षों तक इस मुकाम पर रहे। आपने तमिल, तेलुगु, कन्नड, मलयालम, बंगला, हिन्दी और होलिवुड फिल्मों सहित 150 से अधिक फ़िल्मों में अभिनय किया है। आपने मल्लुम, मलारूम, मुतू, बाश्हा, चन्द्रमुखी, शिवाजी, अन्नामलाई, पडयप्पा, रोबोट आदि जैसी ब्लॉकबस्टर और सुपरहिट फिल्मों में अभिनय किया है।

4. आपको जापान में भी अभूतपूर्व प्रसिद्धि मिली है, जहां आपकी फिल्म "मुतू" ने तमिल सिनेमा को लोकप्रिय बनाया। जापानी आपको "डांसिंग महाराजा" कहकर बुलाते हैं और वहां आपकी विशाल लोकप्रियता एकदम विशेष है। आप विश्व में प्रथम भारतीय अभिनेता हैं जिन्होंने सिनेमा के विभिन्न प्रकारों ब्लैक एंड व्हाइट, कलर, 3–डी और मोशन पिक्चर में कार्य किया है। आप पहले अभिनेता हैं जिन्होंने अपने चेहरे और शरीर को ऐनिमेटिड फिल्म "कोचदईयान" में 'फोटोरियलिस्टिक मोशन कैप्चर टेक्नोलोजी' में परिवर्तित करवाया। आपकी पुत्री सौंदर्या द्वारा निर्देशित यह एक पथ–प्रवर्तक फिल्म है और वह भी पहली। "कोचदईयान" अपनी तरह की पहली फिल्म थी जो "भारत में बनाई गई थी" और यह भारतीय सिनेमा के 100 सालों और सुपरस्टार श्री रजनीकांत के सुविख्यात करियर को समर्पित थी।

5. अपने आइकॉनिक स्टेटस के दम पर आपने बहुत सी उपलब्धियां और अवार्ड अर्जित किए हैं जिनमें पांच तमिलनाडु राज्य फिल्म अवार्ड, बेस्ट तमिल अभिनेता के तीन फिल्मफेयर अवार्ड, तमिलनाडु सरकार से कलाईममानी अवार्ड और एम.जी.आर. अवार्ड, महाराष्ट्र सरकार से राजकपूर अवार्ड, वर्ष 2000 में भारत सरकार से पदम भूषण अवार्ड तथा गोवा में आयोजित 45वें भारतीय अन्तरराष्ट्रीय फिल्म समारोह में वर्ष 2014 का इंडियन फिल्म पर्सनल्टी ऑफ द ईयर हेतु सेन्टीनरी अवार्ड सम्मिलित हैं।

Shri Rajinikanth

Shri Rajinikanth is a global icon, a superstar and a role model from the entertainment and film industry in India. Loved and recognised by people world over, his journey in life has been an inspiration to generations and to aspiring artists. His acting style, unique mannerisms, histrionics, dialogue deliveries and versatility has set a trend, a benchmark creating a cult thus opening up a new arena in cinematic expression from the 1970's onwards. Attracting the attention of a cross section of society, young and old, cutting across barriers, languages, borders and regions, he enjoys a matinee idol status in the hearts of millions of people in India and the world.

2. Born on 12th December 1950 in a humble household, Shri Rajinikanth had a hard and difficult childhood growing up in tough circumstances. However, the spark in the young lad pushed him to identify his inner zeal against all odds. After his basic schooling, he took up small jobs to assist the family as a peon, office boy and assistant till he secured a job as a bus conductor in the Karnataka State Transport Corporation. Here was born the actor who displayed his acting skills in plays conducted by his colleagues from the Transport Corporation. Motivated by his acting skills, his brother sent him to Chennai to pursue his acting. He joined the Madras Film Institute in 1973, where he was identified by the legendary Director Shri K. Balachandar in whose direction he made his debut as an actor in the National Film Award-winning motion picture "Apoorva Raagangal" (1975) and here was no stopping for him from there to become a cultural icon of the Tamil Film Industry.

3. Shri Rajinikanth portrayed a wide range of acting skills playing negative roles, young and old characters in his early movies. The movie "Bairavi" made him a full fledged hero and from then on he continued to rise up to become the Superstar holding it up for more than 40 years now of a glorious career. He has acted in more than 150 films in Tamil, Telugu, Kannada, Malayalam, Bengali, Hindi and Hollywood with blockbusters and superhits to his credit like Mullum Malarum, Muthu, Baashha, Chandramukhi, Sivaji, Annamalai, Padayappa, Robot, etc,.

4. Shri Rajinikanth enjoys an unprecedented popularity even in Japan where his movie "Muthu" made Tamil Cinema popular. The Japanese call him "Dancing Maharaja" and his enormous popularity there is quite special. He is also the first Indian actor in the world to have appeared in four different forms of cinema: black and white, colour, 3D and motion capture and he is the first actor to have lent his face and personality to be converted into Photorealistic Motion Capture Technology in an animated feature film "Kochadaiiyaan" – a path breaking movie directed by his daughter Soundarya – yet another first. "Kochadaiiyaan" was the first of its kind to be "made in India" and was dedicated to 100 years of Indian cinema and to the illustrious career of Superstar Shri Rajinikanth.

5. Shri Rajinikanth's iconic status has won him many laurels and awards including five Tamil Nadu State Film Awards, three Filmfare awards for Best Tamil Actor, Kalaimamani award and MGR award from Government of Tamil Nadu, Raj Kapoor award from Government of Maharashtra, Padma Bhushan Award from Government of India in 2000 and Centenary Award for Indian Film Personality of the Year in 2014 at 45th International Film Festival of India held at Goa.